Raj Express (Indore), 23rd August 2025, Page-11

पहली फाइलिंग के साथ संस्थान के पेटेंट पोर्टफोलियो में शुरुआत

आई आई टी इंदौर ने पेटेंट फाइलिंग में 112 प्रतिशत की वृद्धि कर उपलब्धि हासिल की

कुल पेटेंट फाइलिंग की संख्या हुई 215, दो पेटेंट संयुक्त राज्य अमेरिका के और दो चीन के हैं

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने भारत के नवाचार परिदृश्य में एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में पेटेंट फाइल करने में 112 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इस वर्ष 70 पेटेंट फाइल करने के साथ, जो कि पिछले वर्ष 33 थे, आईआईटी इंदौर ने डीप-टेक रिसर्च, ट्रांसलेशनल इनोवेशन और एंटरप्रेन्यूरशिप के एक प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई है। इस वर्ष की पेटेंट फाइलिंग की एक प्रमुख विशेषता स्वास्थ्य सेवा इनोवेशन की प्रबलता है, जो महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौतियों के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान विकसित करने पर संस्थान के दृढ़ निश्चय को दर्शाता है। खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी व अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग ने एक

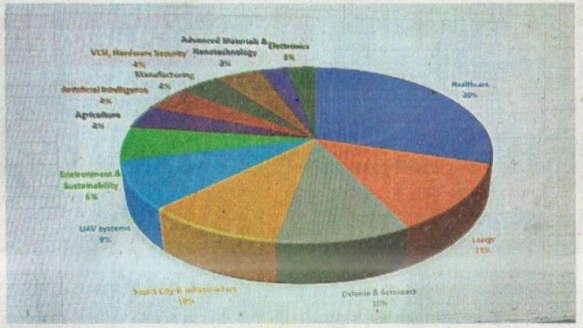

और उपलब्धि हासिल की है, जिसने अपनी पहली फाइलिंग के साथ संस्थान के पेटेंट पोर्टफोलियो में अपनी शुरुआत की।

कुल पेटेंट 215

आईआईटी इंदौर की कुल पेटेंट फाइलिंग की संख्या अब 215 हो गई है, जिनमें से 102 पहले ही स्वीकृत हो चुके हैं, जिनमें दो पेटेंट संयुक्त राज्य अमेरिका के और दो चीन के हैं जो संस्थान की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को दर्शाता है। इस मजबूत पोर्टफोलियो के पूरक के रूप में दो औद्योगिक डिजाइन पंजीकरण और तीन ट्रेडमार्क आवेदन हैं, जो आईआईटी इंदौर के बौद्धिक संपदा योगदान को और व्यापक बनाते हैं।

अधिकांश पेटेंटों को कपिला योजना: अप्रैल 2023 और सितंबर 2024 के बीच फाइल किए गए अधिकांश पेटेंटों को एआईसीटीई की कपिला योजना (कलाम प्रोग्राम फॉर इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी लिटरेसी एंड अवेयरनेस) के तहत सहायता प्रदान की गई। इस पहल ने संकाय सदस्यों और छात्रों को महत्वपूर्ण वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की है, जिससे उन्हें अपने इनोवेशन की रक्षा करने और संभावित रूप से उनका व्यावसायीकरण करने में मदद मिली है।

इनोवेशन है राष्ट्र निर्माण का प्रमुख स्तंभ: आईआईटी इंदौर के निदेशक, प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा, आईआईटी इंदौर में, हम इनोवेशन को राष्ट्र निर्माण का एक प्रमुख स्तंभ मानते हैं। पेटेंट फाइलिंग में उल्लेखनीय वृद्धि केवल एक संख्यात्मक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह डीप टेक विकास और उद्यमशीलता जुड़ाव के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संस्थान वैश्विक ज्ञान अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को और मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

पारिस्थितिकी तंत्र का प्रमाण उद्योग जगत को

पांच तकनीकों का लाइसेंस प्रदान करना और स्टार्टअप्स द्वारा चौदह अन्य तकनीकों को अपनाना है, जो ट्रांसलेशनल रिसर्च और सामाजिक प्रभाव पर आईआईटी इंदौर के जोर को रेखांकित करता है। इन उपलब्धियों को एक मजबूत आईपी अवसंरचना द्वारा समर्थित किया गया है, जिसमें आंतरिक पेटेंट योग्यता खोज सुविधाएं, सूचीबद्ध आईपी फर्म, सुव्यवस्थित आईपी प्रबंधन और सक्रिय व्यावसायीकरण प्रयास शामिल हैं।

नवाचार पर निरंतर ध्यान

आईआईटी इंदौर के अनुसंधान एवं विकास के अधिष्ठाता, प्रोफेसर अभिरूप दत्ता ने कहा, पेटेंट फाइलिंग में यह अभूतपूर्व 112 प्रतिशत वृद्धि, वास्तविक दुनिया में प्रभाव डालने वाले अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचार पर संस्थान के निरंतर ध्यान को दर्शाती है। यह हमारे संकाय सदस्यों की उन तकनीकों के विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो गंभीर चुनौतियों का समाधान करती हैं और राष्ट्रीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में सार्थक योगदान देती हैं। हम बौद्धिक जिज्ञासा और ट्रांसलेशनल रिसर्च की इस संस्कृति को पोषित और सुदृढ़ करते रहेंगे।